साप्ताहिक
विश्वास का तीर
निष्पक्ष...निर्भीक...निरंतर...
सपांदक- आयुष राजपूत
RNI.NO- MPHIN/2022/83636
वर्ष-03 अंक-41 भोपाल, प्रति शुक्रवार 20 सितंबर 2024 मूल्य-10 रूपयें पृष्ठ-08

सीएम बोले, काम कराना है तो मन बड़ा करना होगा

उद्योगपतियों के लिए सरकार की दृष्टि टेढ़ी होती है जिसे सीधा करना चाहता हूं

विश्वास का तीर

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि उद्योगपति के प्रति सरकार की दृष्टि टेढ़ी होती है, इसे बदलना है। मैं इससे सहमत नहीं हूं। इसे सीधा करना चाहता हूं। मुझे सीधा करना अच्छा लगता है। सरकार को उद्योग और निवेश को आमंत्रित करना होगा और यह काम वे करना चाह रहे हैं। आप आइये, हमारी उद्योग पॉलिसी आपको बताई गई है पर पॉलिसी से भी आगे जाना है तो सरकार तैयार है। एमपी में उद्योगपतियों के लिए सरकार पलक पांवड़े बिछाने को तैयार है। सीएम ने कहा कि काम कराना है तो मन बड़ा करना पड़ेगा। इससे मार्ग निकलेगा। यहां के उद्योगपति जहां काम कर रहे हैं वहां जरूर कीजिए पर इसे रोकिए मत और आगे बढ़ाने के लिए एमपी आइए। कोलकाता में इंटरेक्टिव सेशन कार्यक्रम में निवेशकों और उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि एमपी से चलकर जब यहां आया तो देखा कि झीलों की नगरी और आपकी आनंद की नगरी में तालमेल है। सीएम यादव ने कहा कि मैं महाकाल की नगरी का हूं और यहां महाकाली हैं। महाकाली सृष्टि की रचयिता हैं। कोलकाता पर ईश्वर की कृपा है। स्वामी विवेकानंद, रामकृष्ण परमहंस यहीं से हैं जिन्होंने दुनिया को नई दिशा दी है। हम सब कर्म प्रधान देश के निवासी हैं और रामकृष्ण परमहंस ने कर्म का संदेश दिया। सीएम यादव ने कहा कि भारतीयों की युक्ति, उक्ति, क्षमता का उपयोग करने के लिए सुविधाएं चाहिए। इसके लिए शासन के अंब्रेला की अनुकूलता भी चाहिए।

हम जियो और जीने दो पर करते हैं विश्वास

सीएम यादव ने संबोधन में कहा कि सुशासन के लिए जानी जाती थी विक्रमादित्य की नगरी उज्जैन, इसलिए पुरुषार्थ और पराक्रम के लिए विक्रमादित्य को याद किया जाता है। दुनिया में एक मात्र देश भारत है जो अपनी संवत परिवर्तन कराता है। जियो और जीने दो पर विश्वास करते हैं। हर गरीब के घर में आनंद का सवेरा देखना चाहते हैं। पहले एमपी में जीआईएस एक ही शहर में होती थी, इसे बदलने का काम किया है। एमपी में कॉटन निकलकर

पूरे देश में जाता है। रेडीमेड गारमेंट की सर्वाधिक संभावना एमपी में है। आपने कोयंबटूर में इंडस्ट्री लगाई है तो एमपी में भी इसके लिए आपको आमंत्रण देते हैं। एमपी सरकार इसके लिए पूरी तरह मदद को तैयार है। माइनिंग सेक्टर, एनर्जी और टूरिज्म सेक्टर समेत सभी सेक्टर में सरकार सहयोग करने को तैयार है। मैं तो काल की नगरी बाबा महाकाल की नगरी से आता हूं। समय का सदुपयोग कर और अच्छा करें।

कोलकाता से भोपाल, जबलपुर के लिए फ्लाइट मांगी उद्योगपति ने

एमपी बिरला ग्रुप के एमडी संदीप घोष ने कहा कि सत्तर साल पहले पहला सीमेंट प्लांट सतना में लगा था। सतना सीमेंट के नाम से बिरला सीमेंट जाना जाता था। इन सालों एमपी का जो ट्रांसफार्मेशन हुआ है वह देखने लायक है। चेंज विद कंटीन्यूटी के साथ हुए बदलाव का असर एमपी में देखने को मिलता है। रीवा में व्हाइट टाइगर और यूनिवर्सल केबिल प्लांट के लिए प्रसिद्ध है। मैहर में भी सीमेंट प्लांट लगाया है। सतना में बिरला अस्पताल के जरिये भी सेवाएं दी जा रही हैं। एमपी में पीएम आवास योजना में बड़ा काम हुआ है। इसमें सीमेंट का काफी उपयोग हुआ है। एमपी में काफी हाउस का हब है। कोलकाता से भोपाल, जबलपुर की कोई डायरेक्ट फ्लाइट नहीं है। इसे शुरू कराने के लिए पहल करने की जरूरत है।

पीएस राघवेंद्र ने दी उद्योग पालिसी की जानकारी

कोलकाता में इंटरेक्टिव सेशन में प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन राघवेंद्र सिंह ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि एमपी में कॉपर, मैंगनीज समेत अन्य बहुमूल्य खनिज आसानी से उपलब्ध हैं। उन्होंने एमपी में अलग-अलग इंडस्ट्रियल एरिया और उसमें संचालित उद्योगों की जानकारी भी कोलकाता के निवेशकों को दी। इसके साथ ही उद्योग पालिसी की जानकारी देते हुए रोजगार सृजन की स्थिति में सब्सिडी दिए जाने के बारे में भी अवगत कराया गया। उन्होंने टेक्सटाइल और गारमेंट सेक्टर, आईटी सेक्टर, फूड प्रोसेसिंग की संभावनाओं के बारे में भी सेशन में शामिल उद्योगपतियों को एमपी में निवेश की विशेषताओं से अवगत कराया। अलग-अलग सेक्टर मे दी जाने वाली सब्सिडी और बिजली में राहत की जानकारी देते हुए सिंह ने कहा कि रोजगार प्रशिक्षण में भी सब्सिडी दी जाती है।

एसीएस संजय ने कहा, एमपी में नो रिस्क बिजनेस

अपर मुख्य सचिव विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग संजय दुबे ने एमपी में आईटी और ईएसडीएम सेक्टर में किए जाने वाले निवेश की विशेषताओं की जानकारी दी। उन्होंने एमपी में मौजूद स्किल पॉवर की जानकारी दी। एमपी में 15 आईटी पार्क के बारे में बताते हुए कहा कि 50 हजार सुपर क्वालिफाइड स्किल पावर के बारे में बताया। दुबे ने कहा कि एमपी में नो रिस्क बिजनेस की स्थिति है। सात सालों से देश के स्वच्छतम शहर इंदौर और क्लीनेस्ट कैपिटल भोपाल की विशेषताओं की जानकारी देते हुए एसीएस दुबे ने कहा कि 1200 टेक्नालाजी स्टार्टअप यहां रजिस्टर्ड हैं। महिला वर्करों की 24 घंटे उपलब्धता के बारे में भी इस सेशन में प्रजेंटेशन के दौरान जानकारी दी गई। पहले आओ पहले पाओ और ओपन टेंडर जिस भी तरीके से उद्योगपति इंडस्ट्री लगाने के लिए जमीन पाना चाहते हैं, उस रूप में यह उपलब्ध है। इस कार्यक्रम में एमएसएमई विभाग के सचिव नवनीत मोहन कोठारी और पर्यटन विभाग की अफसर विदिशा मुखर्जी ने एमएसएमई और पर्यटन क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं की जानकारी प्रजेंटेशन के माध्यम से दी।

उभरते राज्यों में शामिल है एमपी

मुख्यमंत्री ने निवेशकों को बताया कि मध्यप्रदेश निवेश और उद्योगों के लिए देश के सबसे उभरते हुए राज्यों में से एक है। राज्य की प्रमुख औद्योगिक विशेषताओं जैसे मध्यप्रदेश की निवेश अनुकूल औद्योगिक नीति, मजबूत आधारभूत संरचना, समृद्ध प्राकृतिक संसाधन और अनुकूल कानून व्यवस्था के कारण निवेशकों का पसंदीदा राज्य बन रहा है। पश्चिम बंगाल और मध्यप्रदेश में औद्योगिक समानताएं है जो कोलकाता के उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए प्रेरित करेंगी। कोलकाता एक प्रमुख व्यापारिक और वाणिज्यिक केंद्र है। मध्य प्रदेश भी अपने खनिज संसाधनों और कृषि उत्पादन के लिए जाना जाता है। इन दोनों राज्यों के बीच कई उद्योगों, व्यापारिक संस्थानों और कृषि उत्पादों का लेन-देन होता है। मध्यप्रदेश के उत्पाद जैसे सोयाबीन, गेहूं और अन्य कृषि उत्पाद की पश्चिम बंगाल में मांग हैं जबकि पश्चिम बंगाल के जूट, चाय और मछली उत्पाद मध्य प्रदेश में भी लोकप्रिय हैं। इसे देखते हुए मोहन सरकार को उम्मीद है कि यहां के निवेशक एमपी आसानी से आ सकते हैं।

बच्ची से रेप के पहले टीचर ने देखी पोर्न क्लिप

भोपाल में आरोपी के मोबाइल में 100 से ज्यादा क्लिप डाउनलोडिंग के मिले प्रूफ

विश्वास का तीर

भोपाल के एक निजी स्कूल में 3 साल की बच्ची से रेप के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। आरोपी टीचर कासिम रेहान के मोबाइल की डेटा हिस्ट्री में 100 से ज्यादा पोर्न फिल्म की क्लिपिंग डाउनलोड किए जाने के प्रूफ मिले हैं, जो मासूम बच्चियों के साथ यौन हिंसा से जुड़ी हुई हैं। पुलिस ने आरोपी के मोबाइल को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने चौंकाने वाले खुलासे भी किए हैं। उसने बताया कि स्कूल में फ्री समय में वारदात से पहले पोर्न क्लिप देखी थी। इसके कुछ ही देर बाद उसे वॉशरूम में जाती बच्ची दिखी। वॉशरूम में उसने बच्ची से अश्लील हरकत की। बता दें, बुधवार को कमला नगर थाना क्षेत्र में संचालित एक निजी स्कूल में तीन साल की बच्ची के साथ रेप का मामला सामने आया था। इस मामले में पुलिस ने आरोपी टीचर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

4-5 दिन से मासूम की निगरानी कर रहा था

आरोपी टीचर कासिम ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह 4-5 दिन से मासूम बच्ची के स्कूल आने, क्लास से बाहर जाने और वॉशरूम तक जाने की निगरानी कर रहा था। घटना वाले दिन बच्ची जब वॉशरूम गई, तो वह भी उसके पीछे-पीछे चला गया। वॉशरूम में उसके साथ गलत काम किया। यह पूरा घटनाक्रम दो से ढाई मिनट के अंदर हुआ। इसके बाद बच्ची अपने क्लास रूम में चली गई।

बच्ची को किसी को नहीं बताने की दी हिदायत

आरोपी ने वारदात के बाद बच्ची की एक्टिविटी की निगरानी की थी। घटना के करीब आधे घंटे बाद बच्ची दोबारा क्लास रूम से बाहर निकली, तब बच्ची को वॉशरूम में हुई घटना किसी को भी नहीं बताने के बारे में हिदायत दी थी। साथ ही टॉफी का लालच दिया था।

आरोपी के मोबाइल में दो महिला मित्रों से चैटिंग मिली

आरोपी के मोबाइल में उसकी दो महिला मित्रों से चैटिंग भी मिली है। इनमें से एक महिला मित्र से आरोपी की पिछले 18 महीने से बातचीत बंद है। संबंधित महिला मित्र से आरोपी की बातचीत क्यों बंद हुई? इस बारे में पूछताछ में कासिम ने पुलिस को स्वयं को शक्की मिजाज का होना बताया है। जबकि दूसरी महिला मित्र से उसकी बातचीत जारी है, लेकिन संबंधित को आरोपी कासिम ने रिश्तेदार बताया है। इसके चलते पुलिस आरोपी के इन बयानों की भी जांच कर रही है।

आरोपी बोला- बच्ची आसान टारगेट लग रही थी

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 3 साल की छोटी बच्ची उसे आसान टारगेट लग रही थी। अनुमान था कि बच्ची किसी को भी इस संबंध में नहीं बताएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उसने अपनी कॉन्स्टेबल मां के पूछने पर वॉशरूम में बेड टच के बारे में बता दिया।

बच्ची से ज्यादती के अगले दिन भी स्कूल गया आरोपी

वारदात के अगले दिन भी आरोपी स्कूल पहुंचा, उसे लगा कि सब ठीक है, उसका कुछ नहीं होगा। इसके अगले दिन बच्ची के परिजन ने शिकायत थाने में कर दी। तब उसे स्कूल स्टाफ ने स्कूल तलब किया। यहां आते ही पुलिस ने स्कूल से ही उसकी गिरफ्तारी कर ली।

जांच टीम ने दर्ज किए प्रिंसिपल और शिक्षकों के बयान

टीटी नगर एसडीएम डॉ. अर्चना शर्मा की अध्यक्षता वाली जांच कमेटी ने गुरुवार को प्राइवेट स्कूल की प्रिंसिपल और महिला शिक्षकों के बयान दर्ज किए। सूत्रों के मुताबिक प्रिंसिपल ने बताया कि पीड़ित बच्ची के पेरेंट्स घटना की शिकायत लेकर उनसे नहीं मिले थे। उन्होंने ये भी बताया कि आरोपी कासिम रेहान स्कूल में बतौर टीचर कार्यरत नहीं था। वह आईटी प्रोफेशनल के पद पर था।

SIT ने दर्ज किए बच्ची के स्टेटमेंट, वीडियोग्राफी भी कराई

एसीपी महिला सुरक्षा और एसआईटी चीफ निधि सक्सेना ने बताया- गुरुवार दोपहर बच्ची और उसके मां-पिता थाने आए थे। यहां बच्ची की काउंसिलिंग के लिए बाल कल्याण समिति से एक सपोर्ट पर्सन नियुक्त कराया है। इसके बाद बच्ची के स्टेटमेंट लिए गए। स्टेटमेंट की वीडियोग्राफी भी हुई है। साथ ही, बच्ची के मां-पिता के स्टेटमेंट भी दर्ज किए गए। मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने के लिए सात दिन में ही चालान पेश करने की कोशिश की जा रही है।

किसान न्याय यात्रा में ट्रैक्टर से गिरे कांग्रेस विधायक

विश्वास का तीर

उज्जैन में शुक्रवार को कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर किसान न्याय यात्रा निकाली गई। इसमें 150 से अधिक ट्रैक्टर लेकर किसान, कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता समेत विधायक और अन्य पदाधिकारी सोयाबीन की एमएसपी 6 हजार रुपए करने की मांग को लेकर रैली के रूप में निकले। रैली में ट्रैक्टर पर बैठे कांग्रेस विधायक दिनेश जैन बोस को चक्कर आ गया। वे ट्रैक्टर से गिर गए। उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कृषि मंडी से निकली किसान न्याय यात्रा में कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव संजय दत्त, विधायक महेश परमार, विधायक दिनेश जैन बोस, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष रवि राय, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी, जिला अध्यक्ष कमल पटेल सहित कई नेता रैली में शामिल हुए। रैली मंडी से कोयला फाटक होते हुए चामुंडा माता मंदिर, ब्रिज से फ्रीगंज होते हुए कोठी पर संकुल भवन पहुंची। यहां कांग्रेस नेताओं ने सोयाबीन की एमएसपी 4892 रुपए को नाकाफी बताते हुए सरकार द्वारा किसानों के साथ अन्याय की बात कही। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि हर जिले में जिला कलेक्टर का घेराव कर रहे हैं। आम जनता की लड़ाई है। किसानों को वाजिब दाम नहीं मिल रहा है। किसानों की लड़ाई लड़ते रहेंगे। वन नेशन वन इलेक्शन अपरिपक्व निर्णय है, जिसे जनता पर थोप दिया। हरियाणा जम्मू कश्मीर में कांग्रेस की सरकार आने वाली। सज्जन सिंह वर्मा से जब पाकिस्तान के मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा दिए गए बयान पर पूछा तो वर्मा ने पाकिस्तान के मंत्री को बीजेपी का एजेंट बता दिया।

भोपाल, प्रति शुक्रवार 20 सितंबर 2024

मीटिंग से गायब रहे स्मार्ट सिटी सीईओ; मंत्री बोले-यह गलत

भोपाल में मंत्री काश्यप ने पहली मीटिंग की; स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट को लेकर नाराजगी

विश्वास का तीर

भोपाल के प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप की पहली मीटिंग में स्मार्ट सिटी के ष्श्वह किरोड़ीलाल मीना गायब रहे। इस पर मंत्री ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि मीटिंग में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट को लेकर काफी असंतोष था। सीईओ भी मौजूद नहीं थे। यह ठीक नहीं है। सभी जनप्रतिनिधियों की ओर से निर्देश दिए हैं कि इस तरह के अधिकारियों को तत्काल हटाया जाए। कलेक्टर से कहा है कि सीईओ के बारे में उचित निर्णय लें। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री काश्यप की अध्यक्षता में दोपहर 12.30 बजे से कलेक्टोरेट में जिले की समीक्षा बैठक शुरू हुई, जो करीब 2 घंटे चली। सांसद आलोक शर्मा, महापौर मालती राय,जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुंवार गुर्जर,विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवान दास सबनानी, विष्णु खत्री ,कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, बीजेपी जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी आदि भी मौजूद हैं। मीटिंग में शहरी और गांवों की जर्जर सड़कों को लेकर चर्चा की गई। गोवंश के लिए गोशाला और गांवों में पेयजल की किल्लत को दूर करने को कहा।

सभी नेताओं की नाराजगी देखने को मिली

मीटिंग में सांसद, विधायकों की नाराजगी

भोपाल स्मार्ट सिटी पर देखने को मिलीं। उन्होंने प्रोजेक्ट के बारे में शिकायत की। स्मार्ट सिटी के सीईओ मीना भी मीटिंग में नहीं थे। इस कारण नाराजगी और भी बढ़ गई। सीईओ के गायब होने पर मंत्री काश्यप ने सख्त नाराजगी जताई।

स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट का रिव्यू करेंगे प्रभारी मंत्री

प्रभारी काश्यप ने कहा, भोपाल के विकास के कार्यों और योजनाओं को लेकर नया कीर्तिनाम बनाएंगे। स्मार्ट सिटी के लिए अक्टूबर के पहले सप्ताह में मीटिंग करेंगे। जिसमें स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट का रिव्यू करेंगे।

हर महीने मीटिंग करेंगे

मंत्री काश्यप ने बताया कि जल्द ही नगर निगम की मीटिंग करेंगे। जिसमें विकास कार्यों को लेकर बात की जाएगी। इस बैठक में मेट्रो समेत अन्य विषयों पर बात की है। अगले महीने से नियमित रूप से मीटिंग करेंगे। ताकि सभी प्रस्ताव पास हो सके। सड़कों की स्थिति सुधारी जाएगी। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। बैठक में गोवंश के लिए गोशाला और जलप्रदाय जैसे बिंदुओं पर भी बात की गई है।

दुष्कर्म जैसी घटना न हो, इसके प्रयास करेंगे

भोपाल के प्राइवेट स्कूल में बच्ची से रेप के मामले को लेकर मंत्री काश्यप ने कहा कि कड़ी कार्रवाई कर रहे हैं। आगे से ऐसी घटना न हो, इसके लिए बड़े प्रयास किए जाएंगे।

इनकी समीक्षा की गई

बैठक में मंत्री काश्यप ने राजस्व महाअभियान, जल जीवन मिशन, पौधारोपण अभियान, सीएम राइज स्कूल, अमृत 2.0, मौसमी बीमारियां, निर्माण कार्य एवं समसामायिक विषयों की समीक्षा की। संबंधित विभाग का प्रजेंटेशन देकर जानकारी दी गई। बता दें कि इससे पहले प्रभारी मंत्री की चार मीटिंग स्थगित की गई थी। 30 अगस्त, 3 सितंबर, 6 सितंबर और 13 सितंबर को भी मीटिंग होनी थी, लेकिन बाद में स्थगित हो गई थी।

मीटिंग में सड़कों का मुद्दा भी उठाया

भोपाल कलेक्टोरेट में करीब एक साल बाद प्रभारी मंत्री की मीटिंग हुई। पिछले साल विधानसभा चुनाव के पहले तत्कालीन प्रभारी मंत्री भूपेंद्र सिंह की मौजूदगी में समीक्षा बैठक की गई थी। मीटिंग में जिला पंचायत के जनप्रतिनिधि गांवों की जर्जर सड़कों का मुद्दा भी उठाया। शहर की सड़कें भी काफी खस्ताहाल है। जिन्हें दुरुस्त कराने की बात प्रभारी मंत्री काश्यप ने कहीं।

भोपाल के प्रभात चौराहे पर थ्री टियर ट्रैफिक सिस्टम

नीचे दो सड़कों पर वाहन, ऊपर चलेगी मेट्रो; मंत्री सारंग बोले-9 महीने में कंप्लीट करेंगे

विश्वास का तीर

भोपाल के प्रभात चौराहे पर थ्री टियर ट्रैफिक सिस्टम होगा। इसके लिए डबल डेकर फ्लाईओवर ब्रिज बनेगा। शुक्रवार को मंत्री विश्वास सारंग ने मेट्रो, जिला प्रशासन, पुलिस, बिजली कंपनी और नगर निगम के अफसरों के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने कहा, फ्लाईओवर ब्रिज का काम 8-9 महीने में कंप्लीट करेंगे। कॉ-ऑर्डिनेशन के लिए एक टीम बनाई है। इसके बाद भोपाल रेलवे स्टेशन समेत कई इलाकों में आसानी से पहुंचा जा सकेगा। मंत्री सारंग के साथ महापौर मालती राय भी मौजूद थीं। उन्होंने बताया, प्रभात चौराहे पर मेट्रो ब्रिज और आरओबी प्रस्तावित है। इसके काम के लिए आज दौरा किया है। इससे नए भोपाल और भेल के लोगों को राहत बड़ी मिलेगी। वे रेलवे स्टेशन तक आसानी से पहुंच जाएंगे। इस क्षेत्र के लिए भी यह ब्रिज फायदेमंद साबित होगा।

अभी बनती है जाम की स्थिति

मंत्री सारंग ने बताया, अभी प्रभात चौराहे पर ट्रैफिक जाम होता है। इसलिए यहां डबल डेकर फ्लाई ओवर ब्रिज बनेगा। यह थ्री टियर होगा। यानी, नीचे की सड़क पर गाड़ियां दौड़ेंगी। फ्लाईओवर ब्रिज से भी ट्रैफिक गुजरेगा। इसके ऊपर से मेट्रो चलेगी।

एक कमेटी बनाई, जो पूरे काम पर नजर रखेगी

मंत्री सारंग ने बताया, 8 से 9 महीने में फ्लाईओवर बनाएंगे। फिर मेट्रो भी इस रूट पर आएगी। इसके लिए एक कमेटी बनाई है, जो सभी विभागों के साथ समन्वय करेगी। ताकि, काम समय पर हो सके।

11 महीने पहले मिल चुकी मंजूरी

इस ब्रिज को सरकार करीब 11 महीने पहले मंजूरी दे चुकी है। अब काम की शुरुआत होगी। मंत्री सारंग ने निरीक्षण में काम जल्दी कराने पर जोर दिया। जानकारी के अनुसार- प्रभात चौराहे पर बनाए जाने वाले ब्रिज पर करीब 44.10 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। ये 650 मीटर लंबा और 19 मीटर चौड़ा होगा।

आलेख

हरियाणा चुनाव में कांग्रेस के 'फ्री' ऑफर से क्या मिलेगी सत्ता की चाबी?

भारतीय राजनीति में मुफ्त योजनाओं का चलन पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है, और यह एक ऐसी रणनीति बन गई है जिसे राजनीतिक दल अपने चुनावी अभियानों में बड़ी चतुराई से इस्तेमाल कर रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का मुफ्त पानी और बिजली देने का मॉडल हो या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुफ्त राशन देने का कार्यक्रम, ये सभी नीतियां राजनीतिक सफलता की कुंजी बन चुकी हैं। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी से लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन तक, सभी ने इन योजनाओं का उपयोग करके अपनी सत्ता को मजबूत किया है। अब हरियाणा में कांग्रेस ने इसी परंपरा को अपनाते हुए अपने चुनावी अभियान में एक नया मोड़ लिया है, जिससे वह पिछले दस वर्षों से सत्ता से बाहर रहने की स्थिति को बदलने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस ने हाल ही में हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपने घोषणा पत्र में कई आकर्षक वादे पेश किए हैं। इनमें से प्रमुख वादा 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का है, जो सीधे अरविंद केजरीवाल के मॉडल से प्रेरित है। यह एक स्पष्ट संकेत है कि कांग्रेस ने समझ लिया है कि लोगों को सीधे लाभ पहुंचाने वाली योजनाएं ही उनकी राजनीतिक जीत की कुंजी हो सकती हैं। कांग्रेस के नेता इस बार अपने वादों में आत्मविश्वास से भरे नजर आ रहे हैं, और उन्होंने इन योजनाओं को लुभावना बनाने की हर संभव कोशिश की है। महिलाओं के प्रति कांग्रेस का यह नया दृष्टिकोण भी ध्यान देने योग्य है। पार्टी ने 18 वर्ष से ऊपर की प्रत्येक महिला को प्रतिमाह 2000 रुपये देने का वादा किया है। यह योजना मध्य प्रदेश की लाडली बहना योजना से प्रेरित है, जिसने उस राज्य में चुनावी परिणामों को पलटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कांग्रेस का यह वादा महिलाओं को सीधे आर्थिक सहायता देकर उन्हें अपने पक्ष में करने की एक रणनीति है। इसके अतिरिक्त, बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवाओं को भी छह हजार रुपये की पेंशन देने का प्रस्ताव रखा गया है, जो कि एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजना है। किसानों को आकर्षित करने के लिए कांग्रेस ने एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) को कानूनी गारंटी देने का वादा किया है। यह घोषणा किसानों के हित में महत्वपूर्ण मानी जा रही है, और इससे यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस ने ग्रामीण समुदाय की चिंताओं को समझा है। भारतीय राजनीति में किसानों का एक अहम स्थान है, और उनकी समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करना हमेशा से राजनीतिक दलों के लिए फायदेमंद रहा है। इसके अलावा, कांग्रेस ने किसानों को तुरंत मुआवजे का आश्वासन देकर उनकी समस्याओं को तेजी से हल करने का भी वादा किया है। कांग्रेस ने तेलंगाना के मॉडल को भी अपनाने की कोशिश की है, जिसमें गैस सिलेंडर के लिए मात्र 500 रुपये देने का प्रस्ताव है। यह योजना गरीब परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है, और इसके तहत 100 गज के मुफ्त प्लॉट और पक्के मकान देने का भी वादा किया गया है। यह आवास की समस्या को हल करने में मदद करेगा और नागरिकों को एक स्थायी घर प्रदान करेगा। कांग्रेस ने राजस्थान की चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना को भी अपने घोषणा पत्र में शामिल किया है। इसके तहत गरीबों के लिए 25 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने का वादा किया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता पर हाल के वर्षों में सवाल उठते रहे हैं, और यह योजना कांग्रेस के लिए एक महत्वपूर्ण दांव साबित हो सकती है। हालांकि राजस्थान में यह योजना अपेक्षित सफलता नहीं प्राप्त कर पाई थी, लेकिन हरियाणा में इसकी लोकप्रियता को लेकर सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। कांग्रेस ने ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करने का भी भरोसा दिया है, जो सरकारी कर्मचारियों की एक बड़ी मांग है। इस योजना से न केवल कर्मचारियों को, बल्कि उनके परिवारों को भी फायदा होगा, और इससे कांग्रेस का समर्थन बढ़ सकता है। चुनावी प्रचार में कांग्रेस ने अपनी योजनाओं को प्रभावशाली तरीके से पेश किया है, जो दर्शाता है कि वह अपने मतदाताओं को खुश करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। हालांकि, कांग्रेस के इन दावों की सफलता केवल चुनाव के नतीजों पर निर्भर करेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मुफ्त योजनाएं हमेशा कारगर नहीं होतीं। कई बार मतदाता इन योजनाओं के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों को भी ध्यान में रखते हैं। भ्रष्टाचार, प्रशासनिक विफलता और कानून-व्यवस्था की स्थिति जैसे मुद्दे भी मतदाताओं के फैसले को प्रभावित करते हैं। इस प्रकार, हरियाणा में कांग्रेस ने चुनावी मैदान में उतरते हुए एक महत्वपूर्ण रणनीति अपनाई है। अब देखना यह है कि क्या ये मुफ्त योजनाएं वास्तव में उन्हें सत्ता में वापस लाने में मदद कर पाएंगी या नहीं। भाजपा और अन्य दलों की प्रतिक्रियाएं भी इस चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। अंततः, हरियाणा का चुनाव यह साबित करने के लिए एक बड़ा मंच होगा कि मुफ्त योजनाएं कितनी प्रभावी हैं और क्या वे एक राजनीतिक दल की किस्मत को बदलने में सक्षम हैं। कांग्रेस की यह कोशिश एक संकेत है कि चुनावी राजनीति में सामाजिक कल्याण की योजनाएं अब एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, और यह देखा जाना बाकी है कि क्या ये योजनाएं हरियाणा में कांग्रेस के लिए राजनीतिक सफलता की चाबी बन पाएंगी।

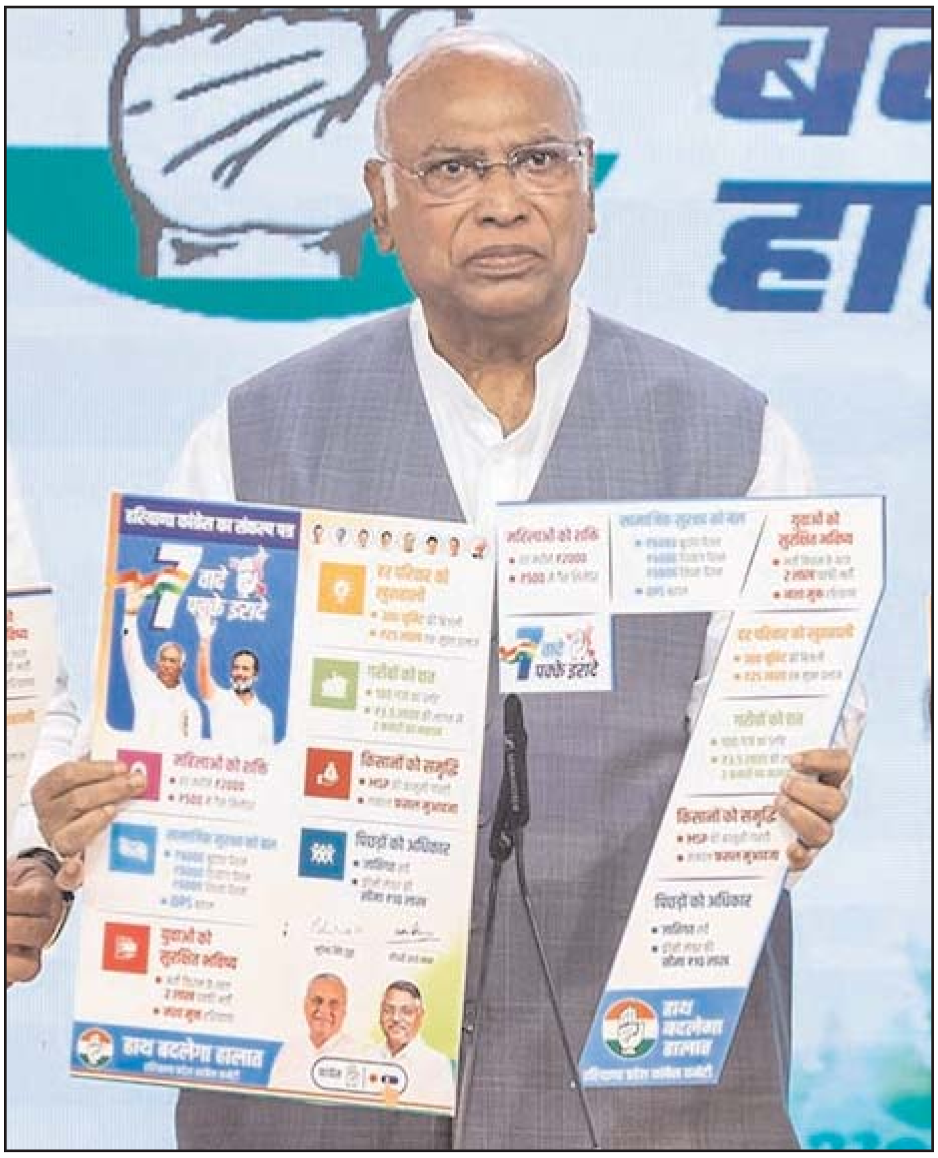

संपादकीय

सिर्फ कानून बनाने से नहीं रुकेंगे महिला अपराध

देश के नेताओं ने समस्याओं का आसान रास्ता तलाश कर रखा है। जब भी किसी समस्या से सामना हो तो कानून बना कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लो। समस्या की जड़ तक कोई भी राजनीतिक दल और सरकारें नहीं जाना चाहती। ऐसा नहीं है कि समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सकता, किन्तु वहां तक पहुंचने और व्यवहारिक समाधान ढूंढने में पापड़ बेलने पड़ते हैं। पश्चिमी बंगाल की ममता बनर्जी की सरकार ने महिला चिकित्सक से बलात्कार के बाद हत्या के मामले में वही किया है जो अब तक ऐसे मामलों में दूसरे राज्य या केंद्र सरकार करती रही हैं। मसलन कानून बना कर जिम्मेदारी पूरी कर ली। ममता सरकार ने विधानसभा में बलात्कार रोधी विधेयक सर्वसम्मति से पारित कर दिया। विधेयक के मसौदे में बलात्कार पीड़िता की मौत होने या उसके स्थायी रूप से अचेत अवस्था में चले जाने की सूरत में ऐसे दोषियों के लिए मृत्युदंड के प्रावधान का प्रस्ताव किया गया है। इसके अलावा मसौदे में प्रस्ताव किया गया है कि बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के दोषी व्यक्तियों को आजीवन कारावास की सजा दी जाए, और उन्हें पेरोल की सुविधा न दी जाए। अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक 2024 शीर्षक वाले इस प्रस्तावित कानून का उद्देश्य बलात्कार और यौन अपराधों से संबंधित नये प्रावधानों के जरिये महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा मजबूत करना है। यह बिल पास होने के बाद राज्यपाल के पास जाएगा, उनसे पास होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए जाएगा। इससे पहले 2019 में आंध्र प्रदेश दिशा विधेयक और 2020 में महाराष्ट्र शक्ति विधेयक विधानसभा से पारित हुआ था। इन दोनों विधेयकों में बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के सभी तरह के मामलों में अनिवार्य फांसी का प्रावधान किया गया था। इन दोनों विधेयकों को राज्य विधानसभाओं ने सर्वसम्मति से पारित किया था। लेकिन दोनों विधेयकों अभी तक राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के साथ-साथ 2012 के पोक्सो अधिनियम के कुछ हिस्सों में संशोधन करने और पीड़िता की उम्र चाहे जो हो, कई तरह के यौन उत्पीड़न के मामलों में मौत की सजा का प्रावधान है। इस बिल में महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराध के लिए कठोर सजा का प्रावधान किया गया है। बीते महीने लागू हुए बीएनएस की धारा-64 में बलात्कार के लिए 10 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। वहीं बीएनएस की धारा-66 में बलात्कार और हत्या और ऐसे बलात्कार, जिनमें पीड़ित निष्क्रिय हो जाती है, उनमें मौत की सजा का प्रावधान है।

भोपाल में बिल्डर दंपती ने की 30.60 लाख की जालसाजी

बैंक में बंधक रखे प्लॉट को फर्जीवाड़ा कर बेच दिया, एफआईआर दर्ज

विश्वास का तीर

भोपाल के शाहपुरा इलाके में एक बिल्डर दंपती ने 30.60 लाख रुपए की जालसाजी की। आरोपियों ने बैंक में बंधक रखे प्लॉट को बेच दिया। जबकि फरियादी डॉक्टर ने उक्त प्लॉट को बैंक से ऑक्शन के माध्यम से खरीदा था। फर्जीवाड़े का खुलासा होने पर पीड़ित डॉक्टर ने कोर्ट में परिवाद दायर किया था। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने बिल्डर दंपती और बैंक मैनेजर के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। सब इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह के मुताबिक मुंबई में रहने वाले चंद्रशेखर सिंह पेशे से डॉक्टर हैं। उन्होंने बैंक ऑफ महाराष्ट्र से ऑक्शन में खनुजा ऐनक्लेव शाहपुरा में एक प्लॉट खरीदा था। जिसकी रजिस्ट्री भी बैंक में करा दी थी, लेकिन जब वह प्लॉट पर कब्जा लेने पहुंचे तो पता चला कि बिल्डर रविंद्र खनूजा, उनकी परमजीत खनूजा ने बैंक में बंधक रखे प्लॉट को पहले ही बेच दिया है।

जालसाजी कर रजिस्ट्री भी करा दी

इतना ही नहीं उसकी रजिस्ट्री भी करा दी है। इस बात का पता चलने पर डॉक्टर ने कोर्ट में आरोपियों के खिलाफ परिवाद दायर किया था। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने बिल्डर दंपती और बैंक मैनेजर कैलाश अहिरवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। पुलिस का कहना है कि अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। जांच के बाद पुलिस जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रिटायर्ड आर्मीमेन ने फांसी लगाकर खुदकुशी की

विश्वास का तीर

नीलबढ़ इलाके में रिटायर्ड आर्मीमेन ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से सुसाइड नहीं मिला है। आज एफएसएल की अगुवाही में मृतक के कमरे की तलाशी ली जाएगी। फिलहाल कमरे को सील कर दिया गया है। शुक्रवार को पीएम के बाद बॉडी परिजनों को सौंप दी गई है। शव का अंतिम संस्कार रायसेन में स्थित मृतक के पुश्तैनी गांव में किया जाएगा। रातीबड़ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 45 वर्षीय प्रमोद पांडे विशाल नगर नीलबड़ में रहते थे। वे सेना नायक हवलदार के पद से सेवानिवृत्ति ले चुके थे। गुरुवार की दोपहर खाना खाने के बाद उन्होंने दवाई खाई तथा अपने कमरे में सोने के लिए चले गए। शाम पांच बजे तक जब वे कमरे से बाहर नहीं आए तो पत्नी अल्पना पांडे उन्हें जगाने के लिए गई। यहां पर उन्होंने पति प्रमोद को फांसी के फन्दे पर लटका पाया। वे उन्हें अस्तपाल लेकर पहुंची जहां पर डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए रवाना किया।

पिता बोले अधिक शराब पीने लगा था बेटा

मृतक के पिता एमपी पांडे ने बताया कि बेटा शराब अधिक पीने लगा था। सेना से रिटायर्ड होने के बाद वह प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी में बतौर गार्ड नौकरी कर रहा था। बीते तीन सालों से शराब अधिक पीने लगा था। पत्नी द्वारा शराब पीने से रोकने पर उसका विवाद होता था। बीते कई दिनों से डिप्रेशन में था। कमाई का बड़ा हिस्सा शराब पीने में उड़ा दिया करता था। यही कारण है कि आर्थिक तंगी से भी जूझने लगा था। खुदकुशी के चार दिन पहले उसने मुझे से दो हजार रुपए ऑन लाइन मांगे थे। मैने परेशानी के संबंध में पूछा तो कुछ भी नहीं बताया। सुसाइड के सही कारणों की जांच पुलिस कर रही है।

निजी कंपनी ने काम से किया इनकार

विश्वास का तीर

प्रदेश के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) में एक अक्टूबर से ड्राइविंग लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन कार्ड बनवाना मुश्किल हो सकता है। 22 साल से यह काम संभाल रही स्मार्ट चिप कंपनी ने 30 सितंबर के बाद काम बंद करने की घोषणा की है। कंपनी ने 12 सितंबर को परिवहन विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में लिखित सूचना दे दी है। अगर कंपनी काम बंद करती है तो प्रदेश के आरटीओ में सिर्फ 38न कर्मचारी ही बचेंगे, जिससे काम की गति धीमी हो जाएगी और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। स्मार्ट चिप कंपनी का कार्यकाल 2022 में समाप्त हो चुका था, पर विभाग नई कंपनी का चयन नहीं कर पाया। अब तक कंपनी का कार्यकाल 3 बार बढ़ाया गया। अक्टूबर 2023 में नई कंपनी के लिए टेंडर जारी हुआ, पर जून 2024 में प्रक्रिया रोक दी गई। कोई वैकल्पिक व्यवस्था भी नहीं की। किसी अन्य संस्था से अस्थाई सेवाएं लेने के लिए शासन से अनुमति जरूरी है, लेकिन यह अनुमति भी अब तक नहीं मिली है। ऐसे में आरटीओ के कामकाज पर बड़ा असर पड़ सकता है।

स्मार्ट चिप के कर्मचारी भी चिंतित

स्मार्ट चिप के 450 कर्मचारी भी अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। वे 22 साल से आरटीओ को तकनीकी सेवाएं दे रहे हैं और अब उनकी उम्र 45-50 साल हो चुकी है। उन्हें डर है कि अगर नौकरी चली गई तो नए काम की तलाश मुश्किल हो जाएगी। कर्मचारियों ने मांग की है कि उन्हें संविदा या कॉन्ट्रैक्ट पर रखा जाए, ताकि उनकी नौकरी भी बची रहे और आरटीओ का कामकाज भी सुचारू रूप से चलता रहे।

स्मार्ट चिप कंपनी को 2002 में जिम्मेदारी दी गई थी कि वह 3 साल के अंदर विभाग के कर्मचारियों को प्रशिक्षित कर तकनीकी रूप से सक्षम बनाएगी। 22 साल बाद भी न तो स्मार्ट चिप ने कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया, न कर्मचारियों ने इसमें रुचि दिखाई।

आरटीओ में कुल 725 क्लेरीकल स्टाफ में से 450 कर्मचारी स्मार्ट चिप कंपनी के हैं, जबकि 275 परिवहन विभाग के हैं। स्मार्ट चिप के कर्मचारी डीएल प्रिंटिंग, रजिस्ट्रेशन कार्ड की प्रक्रिया व अन्य तकनीकी काम संभालते हैं। विभाग के कर्मचारियों को इनका अनुभव नहीं है। ट्नई कंपनी के चयन के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है। तब तक कार्ड प्रिंटिंग के लिए दूसरी व्यवस्था कर रहे हैं।

गर्लफ्रेंड से मिलने रात में 150 किमी दूर गया था; रिश्तेदार हैं दोनों के परिवार

बेटी के बॉयफ्रेंड को पीट-पीटकर मार डाला

विश्वास का तीर

खरगोन में प्रेम प्रसंग में एक युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। परिजन का आरोप है कि लड़की ने उसे फोन करके मिलने बुलाया था। युवक रात में ही इंदौर से 150 किमी दूर बाइक से लड़की के गांव पहुंच गया। यहां लड़की के घरवालों ने उसे रस्सी से बांधकर पीटा। घटना खरगोन के भीकनगांव थाना क्षेत्र के कोड़ियाखाल के लुहार फाल्या गांव की है। पुलिस ने बताया कि लाई खेड़ी झिरन्या का रहने वाला बंटी बामने (26) इंदौर में निजी बैंक में रिकवरी का काम करता था। बंटी जिस लड़की से प्यार करता था, वह उसके दूर के रिश्ते में थी और उसके साथ कॉलेज में पढ़ा करती थी। पुलिस ने लड़की और उसके माता-पिता के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है। मामला संदिग्ध होने से शव का पोस्टमॉर्टम स्थानीय सरकारी अस्पताल की बजाय खंडवा मेडिकल कॉलेज में कराया गया।

झूमाझटकी में बंटी ऊपर से मुंह के बल गिरा

थाना प्रभारी मीना कर्णावत ने बताया कि शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि रविवार रात 11 बजे बंटी इंदौर से लुहार फाल्या आया था। इसके बाद लड़की से मिलने उसके घर पहुंचा। इतने में लड़की के परिजन आहट पाते ही नींद से जाग गए। उन्होंने बंटी को पकड़ लिया। झूमाझटकी में बंटी ऊपर से मुंह के बल गिरा, उसके कंधे पर चोट आई। पीठ पर भी पिटाई के निशान हैं। पैर में सूजन भी है।

घरवालों ने कहा था- इसे लेकर जाओ और समझाओ

बंटी के बड़े भाई राकेश बामने का कहना है कि मारपीट से मौत होने के बाद लड़की के परिजन ने मंगलवार सुबह 9.30 बजे हमें कॉल किया गया। उन्होंने कहा- बंटी हमारे घर आया है। हमने उसे बांध कर रखा है। आप दो-चार लोग आ जाओ, बैठकर बातचीत कर लेते हैं। इसे यहां से लेकर जाओ और समझाओ। हम निकल ही रहे थे कि आधे घंटे बार फिर से उनका कॉल आया। बोले- बंटी की मौत हो गई। हम पहुंचे तो शरीर पर चोटों के निशान थे। देखकर लग रहा था कि उसके साथ बहुत

बंटी बामने, मृतक

बुरी तरह से मारपीट की गई है। पूरी बॉडी अकड़ गई थी, शायद पीट-पीटकर रात में ही उसकी हत्या कर दी गई थी।

थोड़ी देर बाद कहा- तुम्हारा लड़का तो मर गया

चचेरे भाई सुखलाल बामने का कहना है कि बंटी को सोहन, रुमाल सिंह, दला और दिलीप ने मारा है। सुबह रुमाल सिंह ने मुझे कॉल किया था। बोले- तुम्हारा लड़का रात 11 बजे हमारे घर आया था। इसे लेकर जाओ नहीं तो भीकनगांव थाने के सुपुर्द कर रहे हैं। मैंने कहा- मैं तीन-चार लोगों को लेकर आ रहा हूं। तुम थोड़ा इंतजार करना। हम सिवना पेट्रोल पंप पर पेट्रोल डलवाने रुके। इसी दौरान रुमाल सिंह का फिर से कॉल आया, बोला- तुम्हारा लड़का तो शांत हो गया है। इसके बाद दो बाइक से हमारे कुछ लोग झिरन्या गए। वहीं, दो बाइक से हम भीकनगांव थाने पहुंचे।

2 साल से चल रहा था दोनों के बीच अफेयर

बंटी की बहन नीलम बामने ने कहा- दो साल से भाई का अफेयर चल रहा था। बीच में हमारे घर पर पता चल गया था तो पापा-मम्मी और भाई ने लड़की से दूर रहने को कहा था। घरवालों की बात मानकर बंटी ने उससे बात करना बंद कर दिया था। करीब 6 महीने तक तो लड़की का कॉल नहीं आया, इसके बाद फिर से उसने बंटी को कॉल करना शुरू किया। बंटी ने फोन उठाना बंद किया तो नए-नए नंबर से कॉल किया करती थी। पिछले 5 महीने से वह लगातार कॉल करती रहती थी। लड़की हमारे दूर के रिलेशन में है। लड़की ने सोमवार रात करीब 7.30 बजे बंटी को कॉल किया था। बंटी किसी को बिना बताए बाइक से इंदौर के तेजाजी नगर से खरगोन के कोड़ियाखाल गांव के लिए निकला था।

दोनों के गांव आसपास, लेकिन रास्ता बेहद खराब

बंटी का गांव लाईखेड़ी, लड़की के गांव कोडियाखाल के लुहार फलिया से महज दो किमी के फासले पर है। हालांकि, रास्ता इतना खराब है कि बाइक से भी गांव तक पहुंचना आसान नहीं है। थाना प्रभारी मीना कर्णावत टीम के साथ तीन नालों और कीचड़ भरे रास्ते को पार करते हुए घटनास्थल पहुंचीं। भीकनगांव एसडीओपी राकेश आर्य ने बताया कि युवक के कंधे और पीठ पर चोट के निशान हैं और सूजन भी है। परिजनों का कहना है कि दोनों के बीच अफेयर था। इस एंगल पर भी जांच की जा रही है। मौत की वजह के स्पष्ट ओपिनियन के लिए शव का खंडवा मेडिकल कॉलेज में पोस्टमॉर्टम कराया गया है।

लड़की और उसके माता-पिता गिरफ्तार

एएसपी एमएस बारिया ने बताया मामले में लड़की ममता, उसकी मां गीता बाई और पिता बंशी लाल के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। तीनो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

सरकारी अस्पताल में महिला डॉक्टर से रेप

इंदौर की रहने वाली है पीड़िता; दुष्कर्म के बाद आरोपी मंगेतर ने रिश्ता भी तोड़ा

विश्वास का तीर

इंदौर की रहने वाली एक सरकारी महिला डॉक्टर ने अपने मंगेतर के खिलाफ ही रेप का केस दर्ज करा दिया है। 28 वर्षीय महिला गुना जिले के एक अस्पताल में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर की पोस्ट पर है। वहीं पर उससे रेप किया गया। इंदौर की तेजाजीनगर पुलिस ने प्राइमरी एफआईआर दर्ज कर गुना पुलिस को शिफ्ट कर दी है। अब आगे की जांच वहीं होगी। महिला डॉक्टर ने पुलिस को बयान में बताया कि उसकी जान-पहचान मेट्रोमोनियल साइड शादी डॉट कॉम से आरोपी वरुण वर्मा निवासी मंडलेश्वर-खरगोन से हुई थी। कुछ समय पहले दोनों ने सगाई कर ली थी। शादी के पहले उसने झांसा देकर गुना के सरकारी अस्पताल आकर मेडिकल रूम में रेप किया। फिर शादी से पलट गया। तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक पीड़ित डॉक्टर परिवार के साथ इंदौर में ही रहती है। वह गुना जिले के एक सरकारी अस्पताल में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (CHO) के पद पर पदस्थ है। आरोपी वरुण से उसकी पहचान साढ़े चार साल पहले शादी डॉट कॉम पर हुई थी। इसके बाद दोनों बातचीत करते रहे और पसंद करने लगे। मई 2023 में परिवार की राजीमर्जी से आरोपी वरुण वर्मा से सगाई कर ली। तीन माह बाद अगस्त 2023 में वरुण उससे मिलने गुना जिले के सरकारी अस्पताल पहुंचा। यहां मेडिकल रूम में बैठकर दोनों ने बातचीत की। इसके बाद वरुण ने संबंध बनाने के लिए दबाव डाला। कहा कि दोनों की शादी होने वाली है इसलिए उसने जबरदस्ती संबंध बनाए।

फोन पर ही शादी से मुकर गया

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वहां से जाने के बाद वरुण बात करने में आनाकानी करने लगा। फोन उठाना भी बंद कर दिए। आखिरी बार उससे 9 सितंबर को बात हुई तब उसने शादी करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद परेशान होकर महिला डॉक्टर गुना से इंदौर आई और परिवार को पूरा घटनाक्रम बताया। परिवार ने भी वरुण को फोन लगाकर बात करना चाही, लेकिन उसने कोई बात नहीं की। फिर परिवार के साथ तेजाजी नगर थाने पहुंचकर वरुण के खिलाफ रेप की एफआईआर दर्ज कराई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कोलकाता के फ्इन्वेस्ट मध्यप्रदेशफ् के इंटरएक्टिव सेशन में उद्योगपतियों को प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

बेटा-बेटी के साथ नदी में कूदा युवक

पिता-पुत्र की मौत, बेटी की तलाश जारी; रीवा में कर्ज से परेशान था

विश्वास का तीर

रीवा में पिता अपने बेटा-बेटी के साथ टमस नदी में कूद गया। पिता का शव शुक्रवार सुबह 20 किलोमीटर दूर उत्तरप्रदेश में मिला। 4 साल के बेटे का शव पुल के पास मिला। एसडीईआरएफ की टीम 5 साल की बेटी की तलाश कर रही है। घटना गुरुवार रात 9:30 बजे सोहागी थाना क्षेत्र के राजापुर पुल की है। पुल पर युवक की बाइक भी मिली है। मृतकों की पहचान सुनील मांझी (31) पिता राम निहोर मांझी निवासी पैरा टोला छिवलहिया, पुष्पराज मांझी (4) पिता सुनील मांझी के रूप में हुई है। बेटी पुष्पा (5) लापता है। शुक्रवार सुबह मौके पर पहुंची पुलिस ने एसडीआरएफ की मदद से सर्चिंग शुरू की। सुबह करीब 9 बजे युवक का शव यूपी में मिला, जबकि करीब 10:30 बजे बच्चे का शव भी मिल गया। बताया जा रहा है कि सुनील कर्ज से परेशान था, जिसके चलते उसने ये कदम उठाया।

पिता बोले- रात में घर से निकला था, फिर वापस नहीं आया

सुनील के पिता राम निहोर मांझी ने बताया, गुरुवार शाम करीब 7:30 बजे बेटा दोनों बच्चों को लेकर बाइक पर निकला था। वह बच्चों को स्कूल ड्रेस दिलाने की बात कहकर गया था। रात 9 बजे तक वह वापस नहीं आया तो बहू पूजा देवी ने फोन किया। इस पर सुनील ने थोड़ी देर में घर आने की बात कही। करीब आधे घंटे बाद फिर कॉल किया, तो फोन रिसीव नहीं किया। फिर रिश्तेदार संदीप मांझी को कॉल कर पूरी बात बताई। संदीप ने भी सुनील के फोन पर कॉल किया, तो किसी अन्य व्यक्ति ने रिसीव किया। उसने बताया कि टमस नदी पर बने राजापुर पुल पर सुनील की बाइक खड़ी है। बाइक में चाबी लगी है। मोबाइल भी रखा है, लेकिन सुनील नहीं था। हम राजापुर पुल पहुंचे। आसपास तलाश किया, लेकिन बेटे और दोनों बच्चों का पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी।

सुनील मांझी, मृतक

तलाशी में 20 किलोमीटर दूर मिला शव

मौके पर सोहाग थाना प्रभारी पवन शुक्ला समेत पुलिस बल पहुंचा। अंधेरा होने के कारण नदी में तलाश नहीं की जा सकी। शुक्रवार सुबह एसडीआरएफ और पुलिस की टीम ने नदी में सर्चिंग शुरू की। थाना प्रभारी ने बताया कि पानी ज्यादा होने से नदी का बहाव तेज है। सुनील का शव बहकर उत्तरप्रदेश चला गया था। वहीं, पुल से थोड़ी दूर पुष्पराज का शव मिला। बच्ची की तलाश की जा रही है। फिलहाल कर्ज से परेशानी की बात सामने आ रही है।

6 महीने पहले लिया था लोन

राम निहोर ने बताया कि सुनील पेशे से किसान था। उसने परिवार और रिश्तेदारों का समूह बनाया था। इसमें सभी लोग पैसा इकट्ठा करते थे। जरूरत पड़ने पर कोई भी लोन ले सकता था। 6 महीने पहले सुनील ने भी समूह से लोन लिया था। इसके अलावा, पिकअप भी खरीदी थी। उसके लोन की किस्त जा रही थी।

मोदी बोले- कांग्रेस में देशभक्ति की आत्मा दम तोड़ चुकी

इन्हें गणपति से भी चिढ़; मैंने गणेश पूजा की, तो कांग्रेस बेचैन हो गई

विश्वास का तीर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के अंदर देशभक्ति की आत्मा दम तोड़ चुकी है। वे विदेश से बैठकर एजेंडे चलाते हैं। इन्हें अब गणपति बप्पा से भी चिढ़ होने लगी है। मैंने गणेश पूजा की तो कांग्रेस बेचैन हो गई। मोदी ने यह बातें महाराष्ट्र के वर्धा में एक रैली को संबोधित की। वे यहां PM विश्वकर्मा योजना के एक साल पूरे होने पर कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए थे। पीएम ने कहा- पुरानी सरकारों में कामगारों के हुनर को सम्मान नहीं मिलता था। कांग्रेस और उनके दोस्तों ने SC/ST को दबाकर रखा। उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया। हमारी सरकार ने स्किल मंत्रालय बनाया। पीएम विश्वकर्मा योजना की शुरुआत की। एक साल में इस योजना के तहत 8 लाख लोगों को स्किल ट्रेनिंग दी गई है।

मोदी की स्पीच की बड़ी बातें....

गणपति उत्सव पर पीएम मोदी ने कहा- जिस पार्टी में हमारी आस्था और संस्कृति का जरा सा भी सम्मान होगा, वो पार्टी कभी गणपति पूजा का विरोध नहीं कर सकती। लेकिन आज की कांग्रेस को गणपति पूजा से भी नफरत है। मैं गणेश पूजन कार्यक्रम में चला

गया, तो कांग्रेस का तुष्टिकरण का भूत जाग उठा। कांग्रेस गणपति पूजा का विरोध करने लगी। दरअसल पीएम मोदी CJI डीवाई चंद्रचूड़ के घर गणपति पूजन करने गए थे। जिसका विपक्ष ने विरोध किया था। किसानों को लेकर PM ने कहा- महाराष्ट्र में दशकों तक कांग्रेस और बाद में महा विकास अघाड़ी सरकार ने कपास को महाराष्ट्र के किसानों की ताकत बनाने के बजाय उन्हें बदहाली में धकेला, किसानों के नाम पर राजनीति की और भ्रष्टाचार में लिप्त रहे। 2014 में जब देवेंद्र फडणवीस की सरकार बनी तो अमरावती में टेक्सटाइल पार्क का काम शुरू हुआ।

दलितों-पिछड़ों पर कांग्रेस और उसके मित्रों ने जानबूझकर एससी, एसटी और ओबीसी के लोगों को आगे नहीं बढ़ने दिया। हमने सरकारी व्यवस्था से कांग्रेस की इस दलित-विरोधी और पिछड़ा-विरोधी सोच को खत्म कर दिया है। पिछले एक साल के आंकड़े बताते हैं कि एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय विश्वकर्मा योजना का लाभ उठा रहे हैं।

पाकिस्तान के बयान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ये वो कांग्रेस हैं जिसे टुकड़े-टुकड़े गैंग और अर्बन नक्सल के लोग चला रहे हैं। आज देश की सबसे बेईमान और भ्रष्ट पार्टी कांग्रेस है। देश का सबसे भ्रष्ट परिवार कांग्रेस का शाही परिवार है। ये लोग विदेशी धरती से एजेंडे चलाते हैं। दरअसल पीएम मोदी ने हाल ही में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बयान का जिक्र किया। जिसमें उन्होंने कहा था कि आर्टिकल 370 की बहाली पर पाकिस्तान और कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस गठबंधन की राय एक है।

थाने में आर्मी ऑफिसर से मारपीट, मंगेतर का यौन उत्पीड़न

पीड़ित बोली- मेरे हाथ-पैर बांधे, कपड़े उतारे; भुवनेश्वर के 5 पुलिसकर्मी सस्पेंड

विश्वास का तीर

ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित भरतपुर पुलिस स्टेशन में एक आर्मी ऑफिसर से मारपीट और उनकी मंगेतर से यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला आर्मी ऑफिसर के साथ रोड रेज की शिकायत दर्ज करवाने पुलिस थाने गई थी। थाने में पुलिसकर्मियों ने उनसे पहले बदसलूकी की, फिर आर्मी ऑफिसर को लॉकअप में बंद कर दिया। पीड़ित ने इसका विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की और हाथ-पैर बांध दिए। पीड़ित के मुताबिक, एक पुरुष अधिकारी ने उनके अंडरगार्मेंट उतारे। फिर छाती पर लातें मारीं। थाने में जब इंस्पेक्टर-इन-चार्ज पहुंचा तो उसने पीड़ित की पैंट नीचे कर अपना प्राइवेट पार्ट दिखाया और अश्लील बातें कीं। घटना 15 सितंबर की है। पुलिस ने पीड़ित को बदतमीजी के आरोप में गिरफ्तार किया था। 19 सितंबर को हाईकोर्ट से जमानत के बाद उनका भुवनेश्वर AIIMS में इलाज कराया गया, जिसके बाद उन्होंने ये खुलासा किया।

पीड़ित के आरोपों के बाद छत्र वाईबी खुरानिया के निर्देश पर गुरुवार को चांदका थाने में शिकायत दर्ज की गई। उन्होंने क्राइम ब्रांच को जांच के आदेश दिए, जिसके बाद भरतपुर के इस्पेक्टर इंचार्ज समेत 5 पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड किया गया।

पीड़ित के पुलिसकर्मियों पर 5 गंभीर आरोप

■15 सितंबर को रात 1 बजे मैं अपना रेस्टोरेंट बंद करके आर्मी ऑफिसर के साथ घर लौट रही थी। रास्ते में कुछ युवकों ने उनका रास्ता रोकने की कोशिश की और छेड़छाड़ करने लगे। पुलिस से शिकायत करने और मदद मांगने के लिए वे भरतपुर थाने पहुंचे।

■भरतपुर थाने में शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की तो वहां सिविल ड्रेस में मौजूद एक महिला पुलिसकर्मी उनसे गाली-गलौज करने लगी। थोड़ी देर एक पेट्रोलिंग गाड़ी से कुछ और पुलिसकर्मी थाने पहुंचे। उन्होंने आर्मी ऑफिसर को लॉकअप में बंद कर दिया।

■जब मैंने कहा कि वे आर्मी ऑफिसर को हिरासत में नहीं रख सकते, यह गैरकानूनी है, तो दो महिला पुलिसकर्मियों ने मेरे बाल पकड़ लिए जोर-जोर से मारने लगीं। एक महिला पुलिसकर्मी ने मेरी गर्दन पकड़ने की कोशिश की तो मैंने उसके हाथ पर काट लिया।

■इसके बाद उन्होंने मेरी जैकेट से मेरे हाथ बांध दिए। एक लेडी कॉन्स्टेबल के स्कार्फ से मेरे पैर बांध दिए। थोड़ी देर बाद एक मेल ऑफिसर आया। उसने मेरे अंडरगार्मेंट उतार दिए और छाती पर लातें मारने लगा।

■सुबह करीब 6 बजे इंस्पेक्टर-इन-चार्ज आया। उसने मेरी पैंट नीचे कर दी। फिर अपनी पैंट नीचे की और प्राइवेट पार्ट दिखाकर अश्लील बातें की। मैं इस दौरान मदद के लिए जोर-जोर से चिल्ला रही थी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सपांदक आयुष राजपूत द्वारा कविता आफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- आपयुष राजपूत, मो.7247257823, 7999252366 (प्रति शुक्रवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2022/83636